

## Introdução

Mc 4.13; Mc 7.18; Mt 16.6-11; Mt 8.25-26; Lc 5.10-11; Jo 6.66-68; Mt 16.13-23; 1Co 10.12; Pv 16.18

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

## 2º Ato: Pedro revela sua autoestima espiritual

Lc 22.33; Mt 26.33

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

## 3º Ato:

Senhor confronta firmemente a autoconfiança

Lc 22.34; Mt 26.34; Sl 139.2-3; Jo 2.23-25; Mt 26.35

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

## Evolução do Ensino em atos

1º Ato: Jesus comunica a Pedro quem é Pedro

Lc 22.31-32; Mt 26.31-32

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

## 4º Ato:

Uma primeira experiência de surpresa

Lc 22.54; Jo 18.15-16; Lc 22.55-57; Mc 14.68

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

**5º Ato:**

Uma segunda experiência mais profunda

Lc 22.58; Jo 18.25; Mt 26.71-72

---

---

---

---

---

---

---

---

**Conclusão:**

E depois?

Mc 16.7; Jo 21.1-3; Jo 21.15-17; 1Pe 5.10

---

---

---

---

---

---

---

---

---

**6º Ato:**

Uma terceira experiência inequívoca

Lc 22.59; Mt 26.73; Lc 22.60; Mt 26.74

---

---

---

---

---

---

---

---

---

**7º Ato:**

Confissão dura e sincera

Lc 22.61

---

---

---

---

---

---

---

---